



परिवार और बिक की पेशकश

मैं घर में दाखिल हुआ और अपनी पत्नी को मुस्कुराते पाया।

फिर मैंने अपने साले और उसकी पत्नी को देखा, दोनों मुस्कुरा रहे थे।

आखिर में मुझे अपने बेटे मिले, जो अपनी पत्नियों के साथ वेनिस से आए थे, वे सब भी मुस्कुरा रहे थे।

और मेरे बगल में खड़ी थी मेरी बेटी।

अकेली वही थी जो मुस्कुरा नहीं रही थी।

उन्होंने मुझसे बैठक में, एक आरामकुर्सी पर बैठने को कहा, लगभग ऐसे जैसे मैं अपने ही घर में मेहमान होऊँ, और मेरे लिए कॉफी ले आए।

सब मुस्कुरा रहे थे।

एक पल को मुझे लगा कि हमारी लॉटरी लग गई है।

पर मैंने कभी जुआ नहीं खेला।

मैं तो पैदा ही किस्मत वाला हुआ था।

कोई दस मिनट बीत गए और कोई कुछ नहीं बोला।

मैंने बाथरूम जाने की इजाज़त माँगी, पर अर्ज़ी खारिज कर दी गई।

ऐसा क्या हो रहा था जिसकी मुझे खबर नहीं थी?

इंटरकॉम बजा।

जॉर्जिया ने उठाया और फिर अपनी माँ की ओर मुड़ी।

“वही है। वह आ भी गई।”

जब इमारत का मुख्य दरवाज़ा खुला, तो, चूँकि हम पहली मंज़िल पर रहते थे, मेरी नाक ने एक जानी-पहचानी खुशबू पकड़ ली।

मैं उसे पहचानता था।

पर वह यहाँ क्यों थी?

वह घर में दाखिल हुई और मेरी पत्नी का अभिवादन एक सादे-से ciao से किया।

इतने से ही मैं समझ गया कि यह उनकी पहली मुलाकात नहीं थी, और कुछ ही सेकंड बाद इसकी पुष्टि भी हो गई।

“हेलो, नांदो। मेरी चिट्ठी मिली? होटल का बिल चुकाया? याद रखना: यह अभी खत्म नहीं हुआ।”

उस कमरे में उससे ज़्यादा लोग थे जितने मैंने कुछ जनाज़ों में देखे थे, और मैं तो अभी ज़िंदा था।

हालाँकि शायद बस थोड़ी ही देर और।

मेरी पत्नी ने मुझसे शांत रहने, तनाव छोड़ने और सुनने को कहा।

“तुम नहीं जानते कि शनेल असल में कौन है।

तुम सोचते हो कि वह एक बिचौलिया है, एक फ़्रांसीसी सहकर्मी, वह औरत जो पेरिस में तुम्हारे और छह शेयरधारकों के साथ रही, जिसने तुम्हारे लिए संपर्क बनाए, जिसने तुम्हारी हर हरकत पर नज़र रखी, जिसने तुम्हें अंतरंग ढंग से उकसाया और जिसे कभी कोई जवाब नहीं मिला।

पर तुम नहीं जानते कि वह असल में कौन है।”

अरे साला, मैंने सोचा।

इन्होंने मेरे इर्द-गिर्द यह कैसी पटकथा लिख डाली है?

“वह मुख्य शेयरधारक की बेटी है, वही औरत जिसकी माँ के साथ तुम घंटों बातें करते रहे।

वह पूरे समय पृष्ठभूमि में रही।

वह देखती रही।

वह सुनती रही।

वह रिज़र्व फ़ौज थी।

और अब उन्होंने आखिरी पत्ता चल दिया है।

सातवाँ।

हमें सब पता है।

वह अविश्वसनीय पेशकश जो उन्होंने तुम्हारे सामने रखी।

तुम्हारा इनकार।

और एक बात है जो हम सब मिलकर तुमसे कहना चाहते हैं।”

हमें तुम पर गर्व है

मेरी पत्नी ने बात आगे बढ़ाई:

“मैंने शनेल को समझाया कि शादी के तैंतीस साल बाद भी मैं तुमसे कभी वह काम नहीं करवा पाई जो तुम करना नहीं चाहते।

तुम ज़िदी हो, मुश्किल हो, और कभी-कभी नामुमकिन।

पर तुम चरित्र और उसूलों वाले आदमी भी हो।

पैसा कभी तुम्हारी समस्या नहीं रहा।

सब कुछ एक याद को बचाए रखने के तरीके के तौर पर शुरू हुआ था, कोई कारोबार खड़ा करने के लिए नहीं।

वरना यह प्रोजेक्ट वह नुक्कड़ के अखबार वाले को बेच देता।

मेरे पति के लिए वह अमेज़न से ज़्यादा देता है, हालाँकि मुझे पक्का नहीं पता कि उसकी बेज़ोस से कोई रिश्तेदारी है या नहीं।”

सब हँस पड़े।

जब जमावड़ा खत्म होने को आया और शनेल दरवाज़े की ओर बढ़ी, तो वह एक बार फिर मुड़ी।

“बताओ, नांदो।

पेरिस में तुमने सुरक्षा टीम से पीछा क्यों छुड़ाया और हमें कभी पता क्यों नहीं चलने दिया कि तुम कहाँ ठहरे हो? खासकर तब, जब तुम्हारा नाम किसी भी फ़्रांसीसी होटल में दर्ज नहीं था?”

मैं मुस्कुराया।

“सिर्फ़ एक वजह से।

मुझे खुद को सात औरतों से बचाना था।

क्योंकि वे मेरी कमज़ोरी हैं।”

फर्दिनांदो